पंजीयन क्र . 26996

संस्था आरोग्य

शुरूआत

अक्टूबर 1995 में संस्था की शुरूआत सामाजिक उत्थान के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने के उद्देश्य से हुई। जीवन में खासतौर पर समाज के गरीब और कमजोर तबके के लोगों के बीच उनके हितों के लिए काम करने के उद्देश्य से विशेषकर ग्रामीण विकास, महिलाओं और बच्चों के हित में उनके जीवन, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि आधारभूत आवयश्कतों से संबंधित विषयों को लेकर। आज भी संस्था अपने इसी लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रही है।

संस्था की पहुंच

संस्था प्रमुखतः म.प्र. एवं छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में कार्यरत है और उसका पंजीकृत कार्यालय भोपाल एवं मुख्यालय दिल्ली में स्थित है।

लक्ष्य

राज्य और राष्ट्र स्तर पर कमजोर वर्गों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों के हित में कार्य ही संस्था का लक्ष्य है। विशेषकर स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार उन्मूलक क्षेत्रों में। संस्था ऐसा अनुभव करती है कि लोगों में अगर जानकारी है तो वह एक दिन जरूर उनका जीवन बदल देगी इसी विचार को लेकर संस्था शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन विकास के क्षेत्रों में कार्यरत है। प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य जैसे आज की जरूरत के क्षेत्र में भारत सरकार के सहयोग से भोपाल जिले में कार्यरत है।

हमारी विचारधारा

मौजूदा प्रयासों को और सफल बनाना यही हमारी विचारधारा का मुख्य लक्ष्य है। समाज के विभिन्न वर्गों, कमजोर तबकों, महिलाओं और बच्चों के हित में विशेषज्ञों की देख-रेख में शासन और समाजसेवी संस्थाओं द्वारा चलाया जा रहा है। विभिन्न कार्यक्रमों से जुड़ने के लिए संस्था सदैव तत्पर रही है।

सूचना, शिक्षा, संचार

संस्था का अदम्य विश्वास है जानकारी लोगों का जीवन बदल सकती है। इसी विश्वास और विचारधारा के साथ हम पिछले लगभग 12 वर्षों से समाज के कमजोर तबकों के बीच कार्यरत है। विशेषकर ग्रामीण विकास, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में। बात चाहे बच्चों के पोषण की हो या उनके सही विकास की। बात चाहे लिंगभेद की हो या बालिका शिक्षा की। हमारा विश्वास है समाज सही जानकारी से सही दिशा में अग्रसर हो सकता है और इसी को लेकर हम कार्यरत है। समाज में बदलाव के उद्देश्य को लेकर आम आदमी तक इसकी जानकारी पहुंच सके इस हेतु सूचना, शिक्षा, संचार माध्यमों को बढ़ावा देना एवं उनको आम जनों तक पहुंचाना है।

मातृ एवं शिशु जीवन के लिए समर्पित

मातृ शिशु जीवन के लिए विशेष रूप से कार्यरत हैं। यह बात अजीब लग सकती है पर जब बात मृत्युदर एवं शिशु मृत्युदर की आती है तब बहुत पिछड़ा हुआ लगता है। हमें विश्वास है कि बालिका शिक्षा पर अगर प्रदेश में ध्यान देंगे तो मातृ मृत्युदर एवं शिशु मृत्युदर पर निश्चित इसका प्रभाव धनात्मक होगा। संस्था के इसके लिए अपने स्तर पर प्रयासरत है।

बच्चों तक पहुंच

हमारा विश्वास है कि बच्चे बहुत तेजी से सीखते हैं और जो उन्हें बताया जायेगा उसे अमल में लाने में देरी नहीं करते इसलिए हम आंगबाड़ियों और स्कूलों के माध्यम से बच्चों तक पहुंचकर उनके बीच शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्यरत हैं।

शिक्षा और स्वास्थ्य

यही हमारी सामाजिक प्राथमिकता है और अंतिम क्षण तक संस्था इसके लिए कार्य करती रहेगी। हम सोचते हैं शिक्षा एवं स्वच्छता स्वास्थ्य की कुंजी है।

ग्रामीण विकास

आज भी भारत का ज्यादातर हिस्सा गांवों में बसता है ओर उनके सामाजिक एवं आर्थिक विकास के प्रयासों में संस्था निरंतर प्रयासरत है। संस्था ग्रामीण विकास के सभी जरूरी पहलुओं जैसे रोजगार गांरटी योजना, जलाभिषेक अभियान, समग्र स्वच्छता अभियान, जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन मिशन, स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना, मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम, स्कूल चलें हम, नंदन वन आदि योजनाओं के कार्ययोजना निर्माण, प्रचार-प्रसार एवं प्रशिक्षण के क्षेत्र में कार्यरत है।

आरोग्य जन कल्याण संस्था

वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन

2008–09

रोजगार गारंटी योजना

आजीविका के लिए शासन द्वारा चलाई जा रही ''राष्ट्रीय रोजगार ग्यारंटी योजना'' के उचित क्रियान्वयन के उद्देश्य से प्रचार प्रसार के कार्यक्रम का संचालन संस्था द्वारा म.प्र. के कई जिलों में किया गया।

जिला पंचायत बड़वानी में रोजगार गारंटी योजना समस्त के प्रचार-प्रसार अभियान के अंर्तगत सात दिवसीय कार्यक्रम का क्रियान्वयन 9 अप्रेल 08 से 15 अप्रेल 08 तक जिला-बड़वानी के सभी विकासखण्डों में वन्या के माध्यम से किया गया।

जिला पंचायत बड़वानी में रोजगार गारंटी की उपयोजनाओं के प्रचार-प्रसार अभियान के अंर्तगत सात दिवसीय कार्यक्रम का क्रियान्वयन 16 अप्रेल 08 से 22 अप्रेल 08 तक जिला-बड़वानी के सभी विकासखण्डों में वन्या के माध्यम से किया गया।

जिला पंचायत खरगोन में रोजगार गारंटी की उपयोजनाओं के प्रचार-प्रसार अभियान के अंर्तगत नौ दिवसीय कार्यक्रम का क्रियान्वयन 29 मई 08 से 6 जून 08 तक जिला-खरगोन के सभी विकासखण्डों में वन्या के माध्यम से किया गया।

जिला पंचायत टीकमगढ़ में रोजगार गारंटी योजना में मास मीडिया कैम्पेन के अंर्तगत 30 दिवसीय कार्यक्रम का क्रियान्वयन 15 अगस्त 08 से 13 सितम्बर 08 तक जिला-टीकमगढ़ के सभी विकासखण्डों में वन्या के माध्यम से किया गया।

जिला पंचायत खरगोन में रोजगार गारंटी की उपयोजनाओं के प्रचार-प्रसार अभियान के अंर्तगत नौ दिवसीय कार्यक्रम का क्रियान्वयन 29 मई 08 से 6 जून 08 तक जिला-खरगोन के सभी विकासखण्डों में वन्या के माध्यम से किया गया।

जिला पंचायत अनूपपुर में रोजगार गारंटी योजना में मास मीडिया कैम्पेन के अंर्तगत 20 दिवसीय कार्यक्रम का क्रियान्वयन 01 सितम्बर 08 से 23 सितम्बर 08 तक जिला-अनूपपुर के सभी विकासखण्डों में वन्या के माध्यम से किया गया।

जिला पंचायत बालाघाट में रोजगार गारंटी की उपयोजनाओं के प्रचार-प्रसार अभियान के अंर्तगत दस दिवसीय कार्यक्रम का क्रियान्वयन 15 सितम्बर 08 से 25 सितम्बर 08 तक जिला-बालाघाट के सभी विकासखण्डों में वन्या के माध्यम से किया गया।

जिला पंचायत खण्डवा में रोजगार गारंटी योजना समस्त के प्रचार-प्रसार अभियान के अंर्तगत सात दिवसीय कार्यक्रम का क्रियान्वयन 18 सितम्बर 08 से 25 सितम्बर 08 तक जिला-खण्डवा के सभी विकासखण्डों में वन्या के माध्यम से किया गया।

जिला पंचायत मण्डला में रोजगार गारंटी योजना समस्त के प्रचार-प्रसार अभियान के अंर्तगत नौ दिवसीय कार्यक्रम का क्रियान्वयन 20 सितम्बर 08 से 29 सितम्बर 08 तक जिला-मण्डला के सभी विकासखण्डों में वन्या के माध्यम से किया गया।

जिला पंचायत मण्डला में रोजगार गारंटी की उपयोजनाओं के प्रचार-प्रसार अभियान के अंर्तगत नौ दिवसीय कार्यक्रम का क्रियान्वयन 30 सितम्बर 08 से 8 अक्टूबर 08 तक जिला-मण्डला के सभी विकासखण्डों में वन्या के माध्यम से किया गया।

जिला पंचायत मुरैना में रोजगार गारंटी योजना समस्त के प्रचार-प्रसार अभियान के अंर्तगत सात दिवसीय कार्यक्रम का क्रियान्वयन 15 अक्टूबर 08 से 22 अक्टूबर 08 तक जिला-मुरैना के सभी विकासखण्डों में वन्या के माध्यम से किया गया।

जिला पंचायत रीवा में रोजगार गारंटी योजना में मास मीडिया कैम्पेन के अंर्तगत 45 दिवसीय कार्यक्रम का क्रियान्वयन 01 जनवरी 09 से 15 फरवरी 09 तक जिला-रीवा के सभी विकासखण्डों में वन्या के माध्यम से किया गया।

जलाभिषेक अभियान

संस्था द्वारा म.प्र. शासन की योजना जलाभिषेक में शासन के साथ सामाजिक भागीदारी के लिए जागरूकता अभियान कार्यक्रम का क्रियान्वयन कई जिलों में प्रचार-प्रसार कर जन जागरूकता अभियान चलाया। संस्था द्वारा जिलों में प्रचार-प्रसार सामाग्री, नुक्कड़ों नाटकों का मंचन, गीत संगीत मंडली, वीडियो वेन से प्रर्दशन आदि का उपयोग किया। प्रदेश के कई जिलों में कार्ययोजना का निमार्ण, प्रचार प्रसार सामाग्री जैसे पोस्टर, पेम्पलेट, ब्रोशर, फोल्डर, फ्लेक्स के बैनर आदि का निमार्ण एवं उनकी रूपरेखा संस्था द्वारा तैयार की गई। योजना के लोकव्यापीकरण एवं जिलो में जल संरक्षण एवं पानी बचाओ आंदोलन के लिए यह एक आवश्यक अंग है।

जिला पंचायत बड़वानी में जलाभिषेक योजना के प्रचार-प्रसार अभियान के अंर्तगत सात दिवसीय कार्यक्रम का क्रियान्वयन 1 अप्रेल 08 से 7 अप्रेल 08 तक जिला-बड़वानी के सभी विकासखण्डों में वन्या के माध्यम से किया गया।

जिला पंचायत खरगोन में जलाभिषेक योजना के प्रचार-प्रसार अभियान के अंर्तगत नौ दिवसीय कार्यक्रम का क्रियान्वयन 10 अप्रेल 08 से 19 अप्रेल 08 तक जिला-खरगोन के सभी विकासखण्डों में वन्या के माध्यम से किया गया।

स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजनांर्तगत स्व-सहायता समूहों को प्रशिक्षण

स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजनांर्तगत गरीबी रेखा के नीचे (बी.पी.एल.) जीवन यापन कर रहे परिवारों की आर्थिक स्थिती में सुधार के लिये आर्थिक गतिविधि के संचालन हेतु कौशल उन्नयन प्रशिक्षण के तहत स्व-सहायता समूहों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे परिवारों के एक व्यस्क सदस्य को दिया गया।

जिला पंचायत उज्जैन के विकासखण्ड महिदपुर में 4 दिवसीय मसाला निमार्ण प्रशिक्षण दिनांक 1 जून 2008 से 4 जून 2008 तक दिया गया। इस प्रशिक्षण में 150 प्रशिक्षणार्थियों (बी.पी.एल.) की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत उज्जैन के विकासखण्ड घटिया में 4 दिवसीय मसाला निमार्ण प्रशिक्षण दिनांक 1 जून 2008 से 4 जून 2008 तक दिया गया। इस प्रशिक्षण में 150 प्रशिक्षणार्थियों (बी.पी.एल.) की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत उज्जैन के विकासखण्ड खाचरौद में 4 दिवसीय मसाला निमार्ण प्रशिक्षण दिनांक 1 जून 2008 से 4 जून 2008 तक दिया गया। इस प्रशिक्षण में 150 प्रशिक्षणार्थियों (बी.पी.एल.) की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत मंडला के विकासखण्ड मण्डला में 10 दिवसीय मसाला निमार्ण प्रशिक्षण दिनांक 4 अगस्त 2008 से 14 अगस्त 2008 तक दिया गया। इस प्रशिक्षण में 80 प्रशिक्षणार्थियों (बी.पी.एल.) की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत मंडला के विकासखण्ड नैनपुर में 10 दिवसीय मसाला निमार्ण प्रशिक्षण दिनांक 4 अगस्त 2008 से 14 अगस्त 2008 तक दिया गया। इस प्रशिक्षण में 40 प्रशिक्षणार्थियों (बी.पी.एल.) की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत मंडला के विकासखण्ड बिछिया में 10 दिवसीय मसाला निमार्ण प्रशिक्षण दिनांक 4 अगस्त 2008 से 14 अगस्त 2008 तक दिया गया। इस प्रशिक्षण में 40 प्रशिक्षणार्थियों (बी.पी.एल.) की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत मंडला के विकासखण्ड घुघरी में 10 दिवसीय मसाला निमार्ण प्रशिक्षण दिनांक 4 अगस्त 2008 से 14 अगस्त 2008 तक दिया गया। इस प्रशिक्षण में 40 प्रशिक्षणार्थियों (बी.पी.एल.) की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत खण्डवा के विकासखण्ड खंडवा में 2 दिवसीय सेनेटरी नेपकिन निमार्ण प्रशिक्षण दिनांक 21 अगस्त 2008 से 22 अगस्त 2008 तक दिया गया। इस प्रशिक्षण में 50 प्रशिक्षणार्थियों (बी.पी.एल.) की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत खण्डवा के विकासखण्ड पंधाना में 2 दिवसीय सेनेटरी नेपकिन निमार्ण प्रशिक्षण दिनांक 23 अगस्त 2008 से 24 अगस्त 2008 तक दिया गया। इस प्रशिक्षण में 50 प्रशिक्षणार्थियों (बी.पी.एल.) की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत खण्डवा के विकासखण्ड पुनासा में 2 दिवसीय सेनेटरी नेपकिन निमार्ण प्रशिक्षण दिनांक 25 अगस्त 2008 से 26 अगस्त 2008 तक दिया गया। इस प्रशिक्षण में 50 प्रशिक्षणार्थियों (बी.पी.एल.) की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत खण्डवा के विकासखण्ड हरसूद में 2 दिवसीय सेनेटरी नेपकिन निमार्ण प्रशिक्षण दिनांक 21 अगस्त 2008 से 22 अगस्त 2008 तक दिया गया। इस प्रशिक्षण में 50 प्रशिक्षणार्थियों (बी.पी.एल.) की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत खण्डवा के विकासखण्ड छैगांवमाखन में 2 दिवसीय अगरबत्ती, धूपबत्ती निमार्ण प्रशिक्षण दिनांक 21 अगस्त 2008 से 22 अगस्त 2008 तक दिया गया। इस प्रशिक्षण में 50 प्रशिक्षणार्थियों (बी.पी.एल.) की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत खण्डवा के विकासखण्ड किल्लौद में 2 दिवसीय सेनेटरी नेपकिन निमार्ण प्रशिक्षण दिनांक 23 अगस्त 2008 से 24 अगस्त 2008 तक दिया गया। इस प्रशिक्षण में 50 प्रशिक्षणार्थियों (बी.पी.एल.) की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत खण्डवा के विकासखण्ड खालवा में 2 दिवसीय सेनेटरी नेपकिन निमार्ण प्रशिक्षण दिनांक 25 अगस्त 2008 से 26 अगस्त 2008 तक दिया गया। इस प्रशिक्षण में 50 प्रशिक्षणार्थियों (बी.पी.एल.) की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन

म.प्र. शासन द्वारा संचालित ''जननी सुरक्षा योजना'', ''दीनदयाल अंत्योदय उपचार योजना'', ''बाल संजीवनी अभियान'', ''बाल शक्ति'', ''विजयाराजे जननी कल्याण बीमा योजना'' राज्य बीमारी सहायता योजना आदि अनेक ऐसी योजनाएँ हैं, जो व्यापक जन का हित करने वाली है। आवश्यकता है तो जन-जन में इसकी जानकारी समझ और सूचना पैदा करने की। इसी कड़ी में एक ज्वलंत समस्या हैं विभिन्न भयावह बीमारियां जिस प्रदेश में विभिन्न बीमारियों से पीडितो की संख्या अधिक होती है उस प्रदेश का सामाजिक एवं आर्थिक विकास रूक जाता है क्योंकी एक स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता हैं, और स्वस्थ शरीर के लिए बीमारियों की रोकथाम बहुत आवश्यक है, बीमारियों का किसी भी प्रदेश में होना प्रदेश के विकास में बाधक हैं, इसलिये हमारे समाज का विकास करने हेतु प्रदेश की जनता को जाग्रत करने के लिए प्रचार प्रसार की आवश्यकता हैं तभी प्रदेश का विकास सम्भव है

संस्था द्वारा केन्द्र शासन की योजना राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन में शासन के साथ सामाजिक भागीदारी के लिए जागरूकता अभियान कार्यक्रम का क्रियान्वयन कई जिलों में प्रचार-प्रसार कर जन जागरूकता अभियान चलाया। जिले में चल रही समस्त स्वास्थ्य योजनाएं जैसे महिला एवं शिशु स्वास्थ्य, प्रजनन, मलेरिया, टीबी, कुष्ठ निवारण, एडस, तपेदिक, गलघोंटू एवं समस्त बीमारियों के निदान उनके लिए शासन द्वारा उपलब्ध सहायता के बारे में संस्था द्वारा प्रचार अभियान चलाया गया। संस्था द्वारा जिलों में प्रचार रथ नृत्य दलों के साथ, नुक्कड़ों नाटकों का मंचन, गीत संगीत मंडली, वीडियो वेन से प्रर्दशन आदि का उपयोग किया।

जिला पंचायत अनूपपुर में राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन अंर्तगत प्रचार-प्रसार के चार दिवसीय कार्यक्रम का क्रियान्वयन 04 सितम्बर 08 से 07 सितम्बर 08 तक जिला-अनूपपुर के सभी विकासखण्डों में वन्या के माध्यम से किया गया।

राजीव गांधी जलग्रहण मिशन

संस्था द्वारा आरजीएम अंर्तगत क्षेत्र में पी.आई.ए. सदस्यों एवं स्व-सहायता समूहों को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण, विपणन एवं प्रबंधन का कार्य किया जाता रहा है। इसके अतिरिक्त जल संग्रहण को बढ़ावा देना, पुरानी आधारभूत संरचाओं को जीवित रखना, स्व-सहायता समूहों को बढ़ावा देना, शिक्षा, स्वास्थ्य, जल, जंगल, सड़क एवं विकास कार्यों को बढ़ावा देना है।

जिला पंचायत विदिशा के परियोजना क्रमांक 3 लटेरी में दिनांक 03 मार्च 08 से 05 मार्च 08 तक राजीव गांधी जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन मिशन अंर्तगत स्व सहायता समूहों के सदस्यों को 3 दिवसीय डेयरी फार्म, मशरूम उत्पादन एवं बकरी पालन का प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में 70 प्रतिभागियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत विदिशा के परियोजना क्रमांक 3 कुरवाई में दिनांक 13 मार्च 08 से 15 मार्च 08 तक राजीव गांधी जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन मिशन अंर्तगत स्व सहायता समूहों के सदस्यों को 3 दिवसीय डेयरी फार्म, मशरूम उत्पादन एवं बकरी पालन का प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में 70 प्रतिभागियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत विदिशा के परियोजना क्रमांक 4 नटेरन/ग्यारसपुर में दिनांक 03 अप्रेल 2008 से 04 अप्रेल 2008 तक राजीव गांधी जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन मिशन अंर्तगत स्व सहायता समूहों के सदस्यों को 3 दिवसीय डेयरी फार्म, मशरूम उत्पादन एवं बकरी पालन का प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में 70 प्रतिभागियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत विदिशा के परियोजना क्रमांक 3 लटेरी में दिनांक 06 मार्च 08 से 09 मार्च 08 तक राजीव गांधी जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन मिशन अंर्तगत स्व सहायता समूहों के सदस्यों को 4 दिवसीय अगरबत्ती, धूपबत्ती एवं औषधीय अगरबत्ती का प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में 70 प्रतिभागियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत विदिशा के परियोजना क्रमांक 3 कुरवाई में दिनांक 16 मार्च 08 से 19 मार्च 08 तक राजीव गांधी जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन मिशन अंर्तगत स्व सहायता समूहों के सदस्यों को 4 दिवसीय अगरबत्ती, धूपबत्ती एवं औषधीय अगरबत्ती का प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में 70 प्रतिभागियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत विदिशा के परियोजना क्रमांक 4 नटेरन / ग्यारसपुर में दिनांक 03 अप्रेल 2008 से 05 अप्रेल 2008 तक राजीव गांधी जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन मिशन अंर्तगत स्व सहायता समूहों के सदस्यों को 4 दिवसीय अगरबत्ती, धूपबत्ती एवं औषधीय अगरबत्ती का प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में 70 प्रतिभागियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

समग्र स्वच्छता

संस्था द्वारा म.प्र. शासन की योजना समग्र स्वच्छता अभियान में शासन के साथ सामाजिक भागीदारी के लिए जागरूकता अभियान कार्यक्रम का क्रियान्वयन कई जिलों में प्रचार-प्रसार कर जन जागरूकता अभियान चलाया। संस्था द्वारा जिलों में प्रचार रथ नृत्य दलों के साथ, नुक्कड़ों नाटकों का मंचन, गीत संगीत मंडली, वीडियो वेन से प्रर्दशन आदि का उपयोग किया।

जिला पंचायत खरगोन में समग्र स्वच्छता अभियान अंर्तगत प्रचार-प्रसार के नौ दिवसीय कार्यक्रम का क्रियान्वयन 15 जून 08 से 24 जून 08 तक जिला-खरगोन के सभी विकासखण्डों में वन्या के माध्यम से किया गया।

जिला पंचायत सिवनी में समग्र स्वच्छता अभियान अंर्तगत प्रचार-प्रसार के चालीस दिवसीय कार्यक्रम का क्रियान्वयन 20 अगस्त 08 से 30 सितम्बर 08 तक जिला-सिवनी के सभी विकासखण्डों में वन्या के माध्यम से किया गया।

जिला पंचायत अनूपपुर में समग्र स्वच्छता अभियान अंर्तगत प्रचार-प्रसार के चार दिवसीय कार्यक्रम का क्रियान्वयन 10 सितम्बर 08 से 13 सितम्बर 08 तक जिला-अनूपपुर के सभी विकासखण्डों में वन्या के माध्यम से किया गया।

जिला पंचायत खरगोन में समग्र स्वच्छता अभियान अंर्तगत प्रचार-प्रसार के नौ दिवसीय कार्यक्रम का क्रियान्वयन 15 जून 08 से 24 जून 08 तक जिला-खरगोन के सभी विकासखण्डों में वन्या के माध्यम से किया गया।

जिला पंचायत विदिशा में समग्र स्वच्छता अभियान अंर्तगत प्रचार-प्रसार के सात दिवसीय कार्यक्रम का क्रियान्वयन 18 दिसम्बर 08 से 28 दिसम्बर 08 तक जिला-खरगोन के सभी विकासखण्डों में वन्या के माध्यम से किया गया।

जिला पंचायत खण्डवा में समग्र स्वच्छता अभियान अंर्तगत प्रचार-प्रसार के सोलह दिवसीय कार्यक्रम का क्रियान्वयन 19 फरवरी 09 से 06 मार्च 09 तक जिला-खण्डवा के पांच विकासखण्डों में वन्या के माध्यम से किया गया।

जिला पंचायत धार में समग्र स्वच्छता अभियान अंर्तगत प्रचार-प्रसार के चार दिवसीय कार्यक्रम का क्रियान्वयन 27 फरवरी 09 से 02 मार्च 09 तक जिला-धार के चार विकासखण्डों में वन्या के माध्यम से किया गया।

मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम

संस्था द्वारा मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम अंर्तगत जिला पंचायतो में पालक शिक्षक संघ/ स्व सहायत समूहों को पौष्टिक आहार प्रबंधन पर तकनीकी कुशलता प्रशिक्षण का एक विस्तृत कार्यक्रम तैयार किया है।

इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य पालक शिक्षक संघ/स्व सहायता समूहों में व्यवसायिक गतिविधियां एवं शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के लिये जागरूकता पैदा करना है। प्रशिक्षण कार्यक्रमों का लक्ष्य पालक शिक्षक संघ/स्व सहायता समूहों में उद्यमिता के सभी क्षेत्रों में कौशल उन्नयन, समन्वयन, बचत, विपणन एवं प्रबंधन आदि की सही जानकारी एवं उद्यमिता के सही गुण विकसित करना है। इस प्रकार के प्रशिक्षणों से प्रशिक्षणार्थियों में शासन की जन कल्याणकारी नीतियों को लेकर जो भी भ्रातियां हैं वह दूर होती हैं साथ ही इन योजनाओं में जनभागीदारी के अवसर सुलभ होते हैं।

जिला पंचायत डिण्डोरी के तीन विकास खण्डों (डिण्डोरी/शहपुरा/मेंहदवानी) में महिला स्व-सहायता समूहों को प्रशिक्षण ग्राम पंचायत/संकुल स्तर पर दिया। संस्था द्वारा विकासखण्ड मेंहदवानी के चार क्लस्टरों में 30/04/08 से 02/05/08 तक, विकासखण्ड शहपुरा के पांच क्लस्टरों में दिनांक 03/05/08 से 05/05/08 एवं विकासखण्ड डिण्डोरी के छः क्लस्टरों में प्रशिक्षण की दिनांक 06/05/08 से 08/05/08 तक तीन दिवसीय अरहवासी प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में 2573 प्रशिक्षणार्थियों (बी.पी.एल.) की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।

जिला पंचायत उज्जैन के तीन विकास खण्डों (उज्जैन/बड़नगर/तराना) में महिला स्व-सहायता समूहों को प्रशिक्षण ग्राम पंचायत/संकुल स्तर पर दिया। संस्था द्वारा दिनांक 25/02/2008 से 26/02/2008 तक जनपद पंचायत उज्जैन, दिनांक 2/4/2008 से 3/4/2008 तक जनपद पंचायत बड़नगर, दिनांक 4/4/2008 से 5/4/2008 तक जनपद पंचायत तराना में दो दिवसीय प्रशिक्षण चार-चार क्लस्टरों में दिया गया। इस प्रशिक्षण में 1135 प्रशिक्षणार्थियों (बी.पी.एल.) की उपस्थिति सुनिश्चित की गई।